GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
RAJYA SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 2784
TO BE ANSWERED ON 20th MARCH, 2018/29TH PHALGUNA SAKA, 1939

Impact of demonetisation

2784. SHRI C. P. NARAYANAN:

QUESTION

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether RBI has finally counted the total amount of currencies demonetised in November, 2016, if so, the details thereof;
(b) the amount of black money unearthed through this act;
(c) other negative trends snuffed out by this move; and
(d) the employment created or blocked by this move?

ANSWER

MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE
(SHRI SHIV PRATAP SHUKLA)

(a): RBI has reported that counting and verification of Specified Bank Notes (SBNs) received is being done in an expedited manner.

(b) to (d): During the period from November 2016 to March 2017, the Income Tax Department (ITD) conducted searches on around 900 groups, wherein, assets worth over ₹900 crore were seized and undisclosed income of over ₹7,900 crore was admitted. Further, during the period from April 2017 to November 2017, around 360 groups were searched by the ITD, where assets worth over ₹700 crore were seized and a disclosure of over ₹10,100 crore was made.

Demonetisation, also served the objectives of eliminating fake currency, stopping terror financing, promoting formalization of economy and promoting digital payments. Demonetisation was not undertaken with any direct objective of creating employment though formalisation of economy seems to have had positive impact on increasing formal employment in the country.

****

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2784

(जिसका उत्तर 20 मार्च, 2018/29 फाल्गुन, 1939 (शक) को दिया जाने वाला है)

विमुद्रीकरण का प्रभाव

2784. श्री सी. पी. नारायणन:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आरबीआई ने नवम्बर, 2016 में विमुद्रीकृत कुल धनराशि की अंतिम रूप से गिनती कर ली है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस कार्य से कितना काला धन बाहर आया;

(ग) इस प्रभाव से अन्य कौन-कौन सी नकारात्मक प्रवृत्तियां समाप्त हुईं; और

(घ) इस प्रयास से कितना रोजगार सृजित हुआ अथवा बाधित हुआ?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव प्रताप शुक्ल)

(क): आरबीआई ने सूचित किया है कि प्राप्त हुए विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) की गिनती एवं सत्यापन त्वरित रूप से किया जा रहा है।

(ख) से (घ): नवम्बर, 2016 से मार्च, 2017 तक की अवधि के दौरान आयकर विभाग ने लगभग 900 समूहों की तलाशी ली, जिनमें 900 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की आस्तियां जब्त की गई थी और 7900 करोड़ रुपये की अघोषित आय का होना स्वीकृत किया गया था। इसके अतिरिक्त, अप्रैल, 2017 से अक्टूबर, 2017 की अवधि के दौरान, आयकर विभाग ने लगभग 360 समूहों की तलाशी ली थी, जहां 700 करोड़ रुपये की आस्तियां जब्त की गई थी और 10,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की आस्तियों का खुलासा हुआ था।

विमुद्रीकरण ने जाली करेंसी को समाप्त करने, आतंकवाद वित्तपोषण को रोकने, अर्थव्यवस्था के संगठनीकरण का संवर्धन करने तथा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को भी पूरा किया है। विमुद्रीकरण रोजगार सृजन करने के प्रत्यक्ष उद्देश्य से नहीं किया गया था, यद्यपि अर्थव्यवस्था के संगठनीकरण से लगता है कि देश में औपचारिक रोजगार के बढ़ने पर इसका सकारात्मक प्रभाव रहा है।

******

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
RAJYA SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 2784
TO BE ANSWERED ON 20th MARCH, 2018/29TH PHALGUNA SAKA, 1939

Impact of demonetisation

2784. SHRI C. P. NARAYANAN:

QUESTION

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether RBI has finally counted the total amount of currencies demonetised in November, 2016, if so, the details thereof;
(b) the amount of black money unearthed through this act;
(c) other negative trends snuffed out by this move; and
(d) the employment created or blocked by this move?

ANSWER

MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE
(SHRI SHIV PRATAP SHUKLA)

(a): RBI has reported that counting and verification of Specified Bank Notes (SBNs) received is being done in an expedited manner.

(b) to (d): During the period from November 2016 to March 2017, the Income Tax Department (ITD) conducted searches on around 900 groups, wherein, assets worth over ₹900 crore were seized and undisclosed income of over ₹7,900 crore was admitted. Further, during the period from April 2017 to November 2017, around 360 groups were searched by the ITD, where assets worth over ₹700 crore were seized and a disclosure of over ₹10,100 crore was made.

Demonetisation, also served the objectives of eliminating fake currency, stopping terror financing, promoting formalization of economy and promoting digital payments. Demonetisation was not undertaken with any direct objective of creating employment though formalisation of economy seems to have had positive impact on increasing formal employment in the country.

****

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2784

(जिसका उत्तर 20 मार्च, 2018/29 फाल्गुन, 1939 (शक) को दिया जाने वाला है)

विमुद्रीकरण का प्रभाव

2784. श्री सी. पी. नारायणन:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आरबीआई ने नवम्बर, 2016 में विमुद्रीकृत कुल धनराशि की अंतिम रूप से गिनती कर ली है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस कार्य से कितना काला धन बाहर आया;

(ग) इस प्रभाव से अन्य कौन-कौन सी नकारात्मक प्रवृत्तियां समाप्त हुईं; और

(घ) इस प्रयास से कितना रोजगार सृजित हुआ अथवा बाधित हुआ?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव प्रताप शुक्ल)

(क): आरबीआई ने सूचित किया है कि प्राप्त हुए विनिर्दिष्ट बैंक नोटों (एसबीएन) की गिनती एवं सत्यापन त्वरित रूप से किया जा रहा है।

(ख) से (घ): नवम्बर, 2016 से मार्च, 2017 तक की अवधि के दौरान आयकर विभाग ने लगभग 900 समूहों की तलाशी ली, जिनमें 900 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की आस्तियां जब्त की गई थी और 7900 करोड़ रुपये की अघोषित आय का होना स्वीकृत किया गया था। इसके अतिरिक्त, अप्रैल, 2017 से अक्टूबर, 2017 की अवधि के दौरान, आयकर विभाग ने लगभग 360 समूहों की तलाशी ली थी, जहां 700 करोड़ रुपये की आस्तियां जब्त की गई थी और 10,100 करोड़ रुपये से ज्यादा की आस्तियों का खुलासा हुआ था।

विमुद्रीकरण ने जाली करेंसी को समाप्त करने, आतंकवाद वित्तपोषण को रोकने, अर्थव्यवस्था के संगठनीकरण का संवर्धन करने तथा डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को भी पूरा किया है। विमुद्रीकरण रोजगार सृजन करने के प्रत्यक्ष उद्देश्य से नहीं किया गया था, यद्यपि अर्थव्यवस्था के संगठनीकरण से लगता है कि देश में औपचारिक रोजगार के बढ़ने पर इसका सकारात्मक प्रभाव रहा है।

******